Scanned with OKEN Scanner

© डॉ. अनिता

प्रकाशक : कुंजबिहारी पचौरी
जवाहर पुस्तकालय
सदर बाजार, मथुरा (उ.प्र.)-281001
दूरभाष : 0565-2505110
संस्करण : सन् 2005
मूल्य : 120/- (एक सौ बीस रुपये)
मुद्रक : रुचिका प्रिंटर्स, दिल्ली-110032
दूरभाष : 22821174, 20013119

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

आविर्भाव	1	नियति	46
आत्म-पर्याय	3	अनिर्दिष्ट	49
निज - सुख	5	एक स्वप्न सत्य	51
अनागत	7	समावर्तन	54
प्रतिच्छाया	10	असत्	56
स्वानुभूति	12	द्वन्द्व	58
शाश्वत-स्मृति	14	अवमान	60
अपरिहार्य	16	विचलन	62
अभिप्राय	18	नैराश्य	64
भ्रामक व्युत्पत्ति	22	परिष्कार	67
अमर्ष	24	संदेहों के घेरे में	69
अभिधेय	26	सम्पूर्ण	70
अनन्य	29	प्रहार	71
अनुभूति	31	जिजीविषा	72
आत्मावलोकन	33	मतिभ्रम	73
जीवन का शोध	34	पथिक	74
प्रारब्ध	36	संदेह - बीज	75
प्रत्यावर्तन	38	मौन	76
विरोधाभास	40	समन्वय	78
अवसाद	42	अनुपूर्ण	79
जीवन - बोध	44	स्मृति - तर्पण	80

Scanned with OKEN Scanner

प्रतिच्छाया

यह विस्मय की बात नहीं कि
तुम्हारा जीवन, मेरा जीवन है.
जीवन से जीवन चलता है.
स्पन्दन से स्पन्दन जगता है.
अतएव
यह जीवन और स्पन्दन का अनूठा सम्बन्ध है.
एक जीवन है.
दूसरा स्पन्दन है.
स्पन्दन है तो जीवन है.
जीवन है तो स्पन्दन है.
कौन किसका अवलम्ब है ?
प्रतिकार रहित सब भावों से
ये परस्पर के पूरक हैं.
मेरे जीवन की चेतना का तुम
प्रत्यक्ष साकार रूप हो.
मेरे हृदय की तुम

Scanned with OKEN Scanner

साक्षात् प्रतिकृति हो
यह तुम नहीं
मेरे जीवन का समदर्शी भाव हो
जो सदैव पृथक होकर भी निरन्तर साहचर्य में है.
इस आत्म रूप का पूरक
और प्रत्यक्ष की अनुकृति हो.
मेरी जीवन दायिनी आत्मा की
अमल, अटल दीप्त प्रतिच्छाया हो.

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner